University in News on 27 May 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

डॉ. आलोक को मिला पारस रत्न सम्मान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के प्रोफेसर डॉ. आलोक कुमार यादव को पारस रत्न सम्मान से नवाजा गया। बरेली पारस एजुकेशनल सोसायटी की ओर से यह सम्मान शिक्षा और साहित्य में उत्कृष्ट कार्य करने पर मिला। विधि संकाय के डीन प्रो. बंशीधर सिंह और अन्य शिक्षकों ने उन्हें बधाई दी। (संवाद)

लविवि के 43 विद्यार्थियों को मिली नौकरी

लखनऊ। लखनऊ विवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 43 छात्र-छात्राओं को कैंपस प्लेसमेंट मिला है। यह प्लेसमेंट अडानी ग्रुप की कंपनी, अंबुजा सीमेंट में हुआ है। चयनित विद्यार्थियों को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने चयनित छात्रों को शुभकामनाएं दीं। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि सभी का चयन 3.12 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ है। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 6

यूजीसी नेट अभ्यर्थियों को पेपर पैटर्न से परिचित कराया

एलयू

- निष्कर्षों की वैधता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया
- भ्रम और गहराई की धारणा जैसी अवधारणाओं पर गहराई से स्पष्ट किया

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्चना शुक्ला के पर्यवेक्षण में हो रही यूजीसी-नेट अभ्यर्थियों के लिए कार्यशाला के चौथे दिन का पहला सत्र अधिगम और प्रत्यक्षीकरण विषय पर था। पहले सत्र की वक्ता मनोविज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. हंसिका सिंघल क्लासिकल और ऑपरेंट कंडीशनिंग जैसे प्रमुख सिद्धांतों और शोधों का परिचय देकर अपना व्याख्यान शुरू किया।

उन्होंने अभ्यस्तता, कंडीशनिंग के दौरान मस्तिष्क में बदलाव, प्रबलन अनुसूची और स्वाद-विरुद्धता जैसी अवधारणाओं को भी शामिल किया। उन्होंने संवेदना के बुनियादी सिद्धांतों से शुरुआत की वहां से, उन्होंने अवधारणात्मक स्थिरता, भ्रम और गहराई की धारणा जैसी अवधारणाओं पर गहराई से स्पष्ट किया। उन्होंने पिछले वर्षों के नेट प्रश्नों पर आधारित एक प्रश्नोत्तरी के साथ सत्र का समापन किया, जिससे छात्रों को परीक्षा पैटर्न से परिचित होने में मदद मिली। दूसरे सत्र की वक्ता डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने प्रायोगिक डिजाइन विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने वैध अनुसंधान परिणामों को प्राप्त करने में एक अच्छी तरह से संरचित प्रयोगात्मक डिजाइन के महत्व पर जोर देकर शुरुआत की। प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार के प्रायोगिक डिजाइनों से परिचित कराया गया। डॉ. मानिनी ने प्रत्येक अवधारणा को वास्तविक दुनिया के उदाहरणों के साथ चित्रित किया। जिसमें निष्कर्षों की वैधता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

i-NEXT PAGE 4

एलयू के 43 स्टूडेंट्स का हुआ प्लेसमेंट

अडानी ग्रुप की कंपनी अंबुजा सीमेंट में हुआ प्लेसमेंट

LUCKNOW (26 MAY): लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 43 स्टूडेंट्स का कैंपस प्लेसमेंट अडानी ग्रुप की कंपनी अंबुजा सीमेंट में हुआ है. इन्हें 3.12 लाख प्रतिवर्ष का पैकेज मिलेगा. यह भी बीटेक के विद्यार्थी हैं. चयनित विद्यार्थियों को वीसी प्रो. आलोक कुमार राय और संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने शुभकामनाएं दीं.

इनका हुआ प्लेसमेंट

चयनित होने वालों में आदर्श शुक्ला, एलेक्स इटवाल, अमन वर्मा, अंशुल राजपूत, आशीष कुमार सिंह, अतुल यादव, अविनाश कुमार सिंह, फलक जहेरा, गौरव यादव, हर्षित भारती, हर्षित खरे, हिमाली पाठक, हुस्न बानो, जाह्नवी गुप्ता, कुमारी डाली सिंह, मोहित प्रकाश, मृत्युंजय पांडे, निष्कर्ष पांडे, पीयूष कुमार, प्रतिमा, प्रिया करवरिया, रचना तिवारी, ऋचा, रितिक जायसवाल, सचिन सिंह, सचिन यादव, शालिनी यादव, शम्भवी मौर्या, शिवम सिंह, शोभित प्रताप सिंह, श्रेयस शर्मा, सृष्टि यादव, शुभम कुमार यादव, सुजीत कुमार भारती, तिकेश गुप्ता, उमैद इकबाल, उमर इस्लाम, उत्कर्ष राय, विकास वर्मा, विकास कुमार सिंह, विशाल श्रीवास्तव, विवेक यादव, और योगेश सिंह शामिल हैं.

एलयू के डॉ. आलोक को पारस रत्न सम्मान

LUCKNOW: लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आलोक कुमार यादव को पारस एजुकेशनल सोसायटी, बरेली की ओर से उत्तर प्रदेश पारस रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया. यह सम्मान उन्हें शिक्षा एवं साहित्य में किए गए उत्कृष्ट कार्यों को दृष्टिगत रखते हुए दिया गया है. इससे पहले भी उन्हें साहित्य के क्षेत्र में कई पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है. इस उपलब्धि पर विधि संकाय के डीन प्रो. बंशीधर सिंह तथा अन्य शिक्षकों ने बधाई दी.

106 केंद्रों पर पीजी की परीक्षाएं आज से

लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से परास्नातक की सम सेमेस्टर परीक्षाएं सोमवार से शुरू होंगी. इसके लिए लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, रायबरेली और लखीमपुर खीरी मिलाकर 106 केंद्र बनाए गए हैं. परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि पांच जिलों को मिलाकर करीब 40 हजार स्टूडेंट्स शामिल होंगे. 106 परीक्षा केंद्रों पर करीब 150 कालेजों के पीजी विद्यार्थी परीक्षा देंगे. 23 नोडल केंद्र भी बनाए गए हैं.

JAGRAN CITY PAGE I

43 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 43 छात्र-छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट अडानी ग्रुप की कंपनी अंबुजा सीमेंट में हुआ है। इन्हें 3.12 लाख प्रतिवर्ष का पैकेज मिलेगा। यह भी बी.टेक के विद्यार्थी हैं। चयनित विद्यार्थियों को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और संकाय के डीन प्रोफेसर एके सिंह ने शुभकामनाएं दीं।

प्लेसमेंट इंचार्ज डा. हिमांशु पांडेय ने बताया कि चयनित होने वालों में आदर्श शुक्ला, एलेक्स इटवाल, अमन वर्मा, अंशुल राजपूत, आशीष कुमार सिंह, अतुल यादव, अविनाश कुमार सिंह, फलक जहेरा, गौरव यादव, हर्षित भारती, हर्षित खरे, हिमाली पाठक, हुस्न बानो, जाह्नवी गुप्ता, कुमारी डाली सिंह, मोहित प्रकाश, मृत्युंजय पांडे, निष्कर्ष पांडे, पीयूष कुमार, प्रतिमा, प्रिया करवरिया, रचना तिवारी, ऋचा, रितिक जायसवाल, सचिन सिंह, सचिन यादव, शालिनी यादव, शम्भवी मौर्या, शिवम सिंह, शोभित प्रताप सिंह, श्रेयस शर्मा, सृष्टि यादव, शुभम कुमार यादव, सुजीत कुमार भारती, तिकेश गुप्ता, उमैद इकबाल, उमर इस्लाम, उत्कर्ष राय, विकास वर्मा, विकास कुमार सिंह, विशाल श्रीवास्तव, विवेक यादव, और योगेश सिंह शामिल हैं।

लवि के शिक्षक डा. आलोक को पारस रत्न सम्मान

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में एसोसिएट प्रोफेसर डा. आलोक कुमार यादव को पारस एजुकेशनल सोसायटी, बरेली की ओर से उत्तर प्रदेश पारस रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें शिक्षा एवं साहित्य में किए गए उत्कृष्ट कार्यों को दृष्टिगत रखते हुए दिया गया है। इससे पहले भी उन्हें साहित्य के क्षेत्र में कई पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। इस उपलब्धि पर विधि संकाय के डीन प्रो. बंशीधर सिंह तथा अन्य शिक्षकों ने बधाई दी। (जासं)

PIONEER PAGE 4

एलयू के 43 छात्रों का का हुआ प्लेसमेंट

लखनऊ। लविवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 43 छात्र-छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट अडानी ग्रुप की कंपनी, अंबुजा सीमेंट में हुआ है। विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने आशीर्वाद दिया और कहा कि चयनित छात्रों ने जिस समर्पण और मेहनत से यह उपलब्धि हासिल की है, वह वास्तव में प्रेरणादायक है। छात्रों ने यह साबित किया है कि यदि आप कड़ी मेहनत करते हैं और लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहते हैं, तो सफलता अवश्य मिलेगी। यह नियुक्ति संकाय के अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी और उन्हें भी अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि संकाय में आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में अंबुजा सीमेंट कंपनी में बीटेक सिविल इंजीनियरिंग के 43 छात्रों (आदर्श शुक्ला, एलेक्स इटवाल, अमन वर्मा, अंशुल राजपूत, आशीष कुमार सिंह, अतुल यादव, अविनाश कुमार सिंह का चयन हुआ।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि : कार्यशाला में डिजाइन पर बल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

» यूजीसी-नेट अभ्यर्थियों के लिए किया गया ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में यूजीसी-नेट अभ्यर्थियों के लिए रविवार को कार्यशाला का आयोजन हुआ। चौथे दिन का पहला सत्र अधिगम और प्रत्यक्षीकरण विषय पर था।

मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्चना शुक्ला की उपस्थिति में कार्यशाला का आयोजन हुआ। मनोविज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. हंसिका सिंघल ने क्लासिकल और ऑपरेंट कंडीशनिंग जैसे प्रमुख सिद्धांतों और शोधों का परिचय देकर अपना व्याख्यान शुरू किया।

उन्होंने अभ्यस्तता, कंडीशनिंग के दौरान मस्तिष्क में बदलाव, प्रबलन अनुसूची और स्वाद-विरुद्धता जैसी अवधारणाओं को भी शामिल किया। दूसरे सत्र की वक्ता डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने प्रायोगिक डिजाइन पर व्याख्यान दिया। उन्होंने वैध अनुसंधान परिणामों को प्राप्त करने में एक अच्छी तरह से संरचित प्रयोगात्मक डिजाइन के महत्व पर जोर दिया।

व्याख्यान में यादृच्छिकीकरण, प्रतिकृति और अवरोधन सहित विभिन्न प्रमुख विषयों को शामिल किया गया, जो पूर्वाग्रह को कम करने और प्रयोगात्मक परिणामों की सटीकता को अधिकतम करने के लिए मौलिक हैं। कार्यशाला के दौरान विवि के मनोविज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. मेघा सिंह भी उपस्थित रहीं।

लविवि के 43 छात्रों का अंबुजा सीमेंट में चयन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय की प्लेसमेंट ड्राइव में 43 विद्यार्थियों का चयन अडानी ग्रुप की अंबुजा सीमेंट कंपनी में हुआ।

प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि ड्राइव में आदर्श शुक्ला, एलेक्स इटवाल, अमन वर्मा, अंशुल राजपूत, आशीष कुमार सिंह, अतुल यादव, अविनाश कुमार सिंह, फलक जहेरा, गौरव यादव, हर्षित भारती, हर्षित खरे, हिमाली पाठक, हुस्न बानो, जाह्नवी गुप्ता, कुमारी डॉली सिंह, मोहित प्रकाश, मृतुंजय पांडे, निष्कर्ष पांडे, पीयूष कुमार, प्रतिमा, प्रिया करवरिया, रचना तिवारी, ऋचा, रितिक जायसवाल, सचिन सिंह, सचिन यादव, शालिनी यादव, शम्भवी मौर्या, शिवम सिंह, शोभित प्रताप सिंह, श्रेयस शर्मा, सृष्टि यादव, सुजीत कुमार शामिल हुए।

डॉ. आलोक को मिला पारस रत्न

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. आलोक कुमार यादव को पारस एजुकेशनल सोसायटी ने उत्तर प्रदेश पारस रत्न सम्मान से सम्मानित किया। डॉ. यादव को यह पुरस्कार उनके शिक्षा एवं साहित्य में किए गए उत्कृष्ट कार्यों को दृष्टिगत रखते हुए दिया गया। वर्तमान में डॉ. यादव विधि संकाय लखनऊ विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। इस उपलब्धि पर विधि संकाय के डीन प्रो. बंशीधर सिंह समेत अन्य शिक्षकों ने बधाई दी है।

डॉ. आलोक कुमार

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

लविवि के डॉ. आलोक पारस रत्न से सम्मानित

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। डॉ.आलोक कुमार यादव को पारस एजुकेशनल सोसायटी,बरेली ने उत्तर प्रदेश पारस रत्न सम्मान से सम्मानित किया। डॉ.यादव को यह पुरस्कार उनके द्वारा शिक्षा एवं साहित्य में किए गए उत्कृष्ट कार्यों को दृष्टिगत रखते हुए दिया गया है। वर्तमान में डॉ.यादव विधि संकाय लखनऊ विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। इसके पहले भी इन्हें साहित्य के क्षेत्र में कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। डॉ.आलोक की इस उपलब्धि पर विधि संकाय के डीन प्रो.बंशीधर सिंह तथा अन्य शिक्षकों ने बधाई दी।

एलयू के ४३ छात्र-छात्राओं का प्लेसमेंट

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 43 छात्र-छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट अडानी ग्रुप की कंपनी में हुआ। चयनित छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने आशीर्वाद दिया और कहा कि चयनित छात्रों ने जिस समर्पण और मेहनत से यह उपलब्धि हासिल की है, वह वास्तव में प्रेरणादायक है। छात्रों ने यह साबित किया है कि यदि आप कड़ी मेहनत करते हैं और लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहते हैं तो सफलता अवश्य मिलेगी। अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रो.एके सिंह ने चयनित छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह नियुक्ति संकाय के अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी और उन्हें भी अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ.हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि संकाय में आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में अंबुजा सीमेंट कंपनी में बीटेक सिविल इंजीनियरिंग के 43 छात्रों में आदर्श शुक्ला, एलेक्स इटवाल, अमन वर्मा, अंशुल राजपूत, आशीष कुमार सिंह, अतुल यादव, अविनाश कुमार सिंह, फलक जहेरा, गौरव यादव, हर्षित भारती, हर्षित खरे, हिमाली पाठक, हुस्न बानो, जाह्नवी गुप्ता, कुमारी डाली सिंह, मोहित प्रकाश, मृतुंजय पांडे, निष्कर्ष पांडे, पीयूष कुमार, प्रतिमा, प्रिया करवरिया, रचना तिवारी, ऋचा, रितिक जायसवाल, सचिन सिंह, सचिन यादव, शालिनी यादव, शम्भवी मौर्या,शिवम सिंह, शोभित प्रताप सिंह, श्रेयस शर्मा, सृष्टि यादव, शुभम कुमार यादव, सुजीत कुमार भारती, तिकेश गुप्ता, उमैद इकबाल, उमर इस्लाम, उत्कर्ष राय, विकास वर्मा, विकास कुमार सिंह, विशाल श्रीवास्तव, विवेक यादव और योगेश सिंह का चयन 3.12 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने आशीर्वाद दिया

प्रतिभागियों को विभिन्न प्रायोगिक डिजाइनों से कराया परिचित

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ.अर्चना शुक्ला के पर्यवेक्षण में चल रही यूजीसी-नेट अभ्यर्थियों के लिए कार्यशाला के चौथे दिन का

अधिगम और प्रत्यक्षीकरण विषय पर कार्यशाला

पहला सत्र अधिगम और प्रत्यक्षीकरण विषय पर था। पहले सत्र की वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ.हंसिका सिंघल थीं। उन्होंने क्लासिकल और ऑपरेंट कंडीशनिंग जैसे प्रमुख सिद्धांतों और शोधों का परिचय देकर अपना व्याख्यान शुरू किया। उन्होंने अभ्यस्तता, कंडीशनिंग के दौरान मस्तिष्क में बदलाव, प्रबलन अनुसूची, लर्न्ड हेल्पलेस्नेस और स्वाद-विरुद्धता जैसी अवधारणाओं को भी शामिल किया। फिर,वह अपने सत्र के दूसरे भाग की ओर बढ़ी। उन्होंने संवेदना के बुनियादी सिद्धांतों से शुरुआत की वहां से उन्होंने अवधारणात्मक स्थिरता, भ्रम और गहराई की धारणा जैसी अवधारणाओं पर गहराई से स्पष्ट किया। उन्होंने पिछले वर्षों के नेट प्रश्नों पर आधारित एक प्रश्नोत्तरी के साथ सत्र का समापन किया,जिससे छात्रों को परीक्षा पैटर्न से परिचित होने में मदद मिली। दूसरे सत्र की वक्ता डॉ.मानिनी श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग,लविवि थीं। उन्होंने प्रायोगिक डिज़ाइन पर व्याख्यान दिया। उन्होंने वैध अनुसंधान परिणामों को प्राप्त करने में एक अच्छी तरह से संरचित प्रयोगात्मक डिजाइन के महत्व पर जोर देकर शुरुआत की। व्याख्यान में यादृच्छिकीकरण, प्रतिकृति और अवरोधन सहित विभिन्न प्रमुख विषयों को शामिल किया गया। डॉ.मानिनी ने प्रत्येक अवधारणा को वास्तविक दुनिया के उदाहरणों के साथ चित्रित किया, जिसमें निष्कर्षों की वैधता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। सत्र इंटरैक्टिव था, जिसमें प्रतिभागी चर्चा में शामिल हुए और प्रश्न पूछे, जिन्हें उन्होंने विस्तृत स्पष्टीकरण के साथ संबोधित किया। दोनों सत्रों के अंत में वक्ताओं को प्रशंसा प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया और लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. मेघा सिंह द्वारा उन्हें धन्यवाद दिया गया।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि के 43 छात्रों का प्लेसमेंट

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 43 छात्र-छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट एक सीमेंट कम्पनी में हुआ। चयनित छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने आशीर्वाद दिया और कहा कि चयनित छात्रों ने जिस समर्पण और मेहनत से यह उपलब्धि हासिल की है, वह वास्तव में प्रेरणादायक है। छात्रों ने यह साबित किया है कि यदि आप कड़ी मेहनत करते हैं और लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहते हैं, तो सफलता अवश्य मिलेगी।

अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रोफेसर एके सिंह ने चयनित छात्रों को शुभकामनायें दी और कहा कि यह नियुक्ति संकाय के अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी और उन्हें भी अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि संकाय में आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में अंबुजा सीमेंट कंपनी में बीटेक सिविल इंजीनियरिंग के 43 छात्रों आदर्श शुक्ला, एलेक्स इटवाल, अमन वर्मा, अंशुल राजपूत, आशीष कुमार सिंह, अतुल यादव, अविनाश कुमार सिंह, फलक जहेरा, गौरव यादव, हर्षित भारती, हर्षित खरे, हिमाली पाठक, हुस्न बानो, जाह्नवी गुप्ता, कुमारी डॉली सिंह, मोहित प्रकाश, मृतुंजय पांडे, निष्कर्ष पांडे, पीयूष कुमार, प्रतिमा, प्रिया करवरिया, रचना तिवारी, ऋचा, रितिक जायसवाल, सचिन सिंह, सचिन यादव, शालिनी यादव, शम्भवी मौर्या, शिवम सिंह, शोभित प्रताप सिंह, श्रेयस शर्मा, सृष्टि यादव, शुभम कुमार यादव, सुजीत कुमार भारती, तिकेश गुप्ता, उमैद इकबाल, उमर इस्लाम, उत्कर्ष राय, विकास वर्मा, विकास कुमार सिंह, विशाल श्रीवास्तव, विवेक यादव, और योगेश सिंह का चयन 3.12 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ।

प्रश्नोत्तरी से छात्रों को परीक्षा पैटर्न से कराया परिचित

- लविवि के मनोविज्ञान विभाग के यूजीसी-नेट अभ्यर्थियों के लिए कार्यशाला सम्पन्न

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्चना शुक्ला के पर्यवेक्षण में हो रही यूजीसी-नेट अभ्यर्थियों के लिए कार्यशाला के चौथे दिन रविवार को पहला सत्र अधिगम और प्रत्यक्षीकरण विषय पर था। पहले सत्र की वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. हंसिका सिंघल थी।

उन्होंने क्लासिकल और ऑपरेंट कंडीशनिंग जैसे प्रमुख सिद्धांतों और शोधों का परिचय देकर अपना व्याख्यान शुरू किया। उन्होंने अभ्यस्तता, कंडीशनिंग के दौरान मस्तिष्क में बदलाव, प्रबलन अनुसूची, लर्न्ड हेल्पलेस्नेस, और स्वाद-विरुद्धता जैसी अवधारणाओं को भी शामिल किया। फिर वह अपने सत्र के दूसरे भाग की ओर बढ़ी। उन्होंने संवेदना के बुनियादी सिद्धांतों से शुरूआत की वहां से, उन्होंने अवधारणात्मक स्थिरता, भ्रम और गहराई की धारणा जैसी अवधारणाओं पर गहराई से स्पष्ट किया। उन्होंने पिछले वर्षों के नेट प्रश्नों पर आधारित एक प्रश्नोत्तरी के साथ सत्र का समापन किया, जिससे छात्रों को परीक्षा पैटर्न से परिचित होने में मदद मिली।

दूसरे सत्र की वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय की मनोविज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. मानिनी श्रीवास्तव थीं। उन्होंने प्रायोगिक डिजाइन पर व्याख्यान दिया। उन्होंने वैध अनुसंधान परिणामों को प्राप्त करने में एक अच्छी तरह से संरचित प्रयोगात्मक डिजाइन के महत्व पर जोर देकर शुरूआत की।

व्याख्यान में यादृच्छिकीकरण, प्रतिकृति और अवरोधन सहित विभिन्न प्रमुख विषयों को शामिल किया गया, जो पूर्वाग्रह को कम करने और प्रयोगात्मक परिणामों की सटीकता को अधिकतम करने के लिए मौलिक हैं। प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार के प्रायोगिक डिजाइनों से परिचित कराया गया। डॉ. मानिनी ने प्रत्येक अवधारणा को वास्तविक दुनिया के उदाहरणों के साथ चित्रित किया, जिसमें निष्कर्षों की वैधता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। सत्र इंटरैक्टिव था, जिनमें प्रतिभागी चर्चा में शामिल हुए और प्रश्न पूछे, जिन्हें उन्होंने विस्तृत स्पष्टीकरण के साथ संबोधित किया। दोनों सत्रों के अंत में वक्ताओं को प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया और लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. मेघा सिंह द्वारा उन्हें धन्यवाद दिया गया।